

गिरिराज सिंह  
GIRIRAJ SINGH



सत्यमेव जयते

ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री

भारत सरकार

कृषि भवन, नई दिल्ली

MINISTER OF

RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ

GOVERNMENT OF INDIA

KRISHI BHAWAN, NEW DELHI



ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE



आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

## अपील

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा भावों एवं विचारों की जननी और संवाहिका है। यह किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास का मूल आधार है। विश्व की सरलतम और वैज्ञानिक भाषाओं की सूची में हिंदी भाषा को अग्रिम स्थान प्राप्त है। हिंदी भाषा भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति और संस्कारों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। हमारा देश भाषायी विविधता एवं बहुआयामी संस्कृति के होते हुए भी अनेकता में एकता की भावना को सुदृढ़ करता है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावशाली माध्यम है जिसमें भारतीय जनमानस की संवेदनाओं को सरलता व सुगमता से व्यक्त करने का सामर्थ्य है।

हिंदी भाषा भारतवर्ष में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसी के ध्यानार्थ संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर, 1949 को अंगीकार किया था। इस महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में पूरे भारत वर्ष में हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं। संपूर्ण देश आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में अपने गौरवशाली इतिहास का स्मरण कर अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर देख रहा है। आज हमारा देश लोक कल्याणकारी राज्य की जिस संकल्पना को साकार करने के लिए सतत प्रयासरत है, उसमें हिंदी भाषा सरकार की विकासपरक योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने तथा उन योजनाओं में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने में अभूतपूर्व योगदान दे रही है। सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम करते हुए हिंदी न सिर्फ भारतीय लोकतंत्र को सुदृढ़ बना रही है, अपितु लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का संचार भी कर रही है। हमारे संविधान निर्माताओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हिंदी राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य की ओर अग्रसर है।

राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। इस अवसर पर आप सब भी शपथ लें कि आप अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे और अपना शत प्रतिशत कार्य हिंदी में ही करेंगे और राजभाषा के विकास एवं इसकी उत्तरोत्तर वृद्धि में यथासंभव अपना योगदान देंगे। यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है कि पंचायती राज मंत्रालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन कर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। मैं सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं कि आप सभी अपना शत प्रतिशत सरकारी कार्य हिंदी में ही करें और राजभाषा निति से संबंधित प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।

(गिरिराज सिंह)